members on the Bureau of Indian Standards. [Placed in Libarary. *See* no. LT—849/90 for I and II]

The Deputy Chairman in the Chair

Report (for the year ended March 31, 1989) of the Comptroller and Auditor General of India (No. 2 of 1990)-Union Government Scientific Departments)

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI JAGDEEP DHANKAR): Madam, on behalf of Shri Anil Shastri, I beg to lay on the Table, under clause (1) of article 151 of the Constitution a copy (in English and Hindi) of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended March 31, 1989 [(No. 2 of 1990)—Union Government (Scientific Departments)]. [Placed in Library. *See* No. LT—815|90].

EIGHTIETH REPORT OF THE COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think this is your maiden performance in the House. Welcome.

CHOWDHARY RAM SEWAK (Uttar Pradesh)· Madam, I beg to present the Eightieth Report (in English and Hindi) of the Committee on Subordinate Legislation.

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that I have received a letter from Shri R. K. Narayan, stating that he is undergoing treatment for his cardiac problem and has been advised not to undertake any travel. He has, therefore, requested for grant of Leave of Absence from all sittings of the House during the current Session.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri R. K. Narayan for remaining absent from all the sittings of the House during the current Session?

(No. hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

RAIDS ON TWO NEWSPAPER OFFICES IN ORISSA

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, I want to raise an important issue. ...*(Interruptions)*

Madam, in Orissa, the Government have raided the offices of two newspapers. *(Interruptions)* In Bhubaneswar, two newspaper offices have been raided; *Sambad* and *Sun Times*. They have sealed three rooms and the journalists and editors have been kept out.

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): This is the Government which talks of the right to expression and the right to information. They want to throttle the voice of newspapers.

SHRI KAPIL VERMA: The Government should make a statement on this *(Interruptions)* These are Opposition papers. The Government have closed down the newspapers. The Information Minister should contact the Orissa Government find out the facts and ensure that these two newspapers are not closed down. If there are any charges against these two newspapers, they can take away the books, but they cannot close them down.

ATROCITIES AGAINST SCHEDULED CASTES AND WOMEN

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : (बिहार) : फतेहपुर की घटना पर प्रधान मंत्री 9 तारीख को फतेहपुर गये लेकिन शर्म की बात है कि उन्होंने सातों धर्मपुर गांव में विजिट नहीं किया (व्यवधान) 9 तारीख को विश्वनाथ प्रताप सिंह अपने संसदीय क्षेत्र फतेहपुर गये लेकिन धर्मपुर

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

के सातों गांव जहां पर यह घटना घटी जिसमें एक हरिजन जिंदा जलाया गया, वहां नहीं गये। यहां उन्होंने कहा था कि स्टेटमेंट देंगे लेकिन आज तक स्टेटमेंट नहीं आयी। आल इंडिया रेडियो जो खबर दे रहा है और दूरदर्शन जो खबर दे रहा है दोनों में जमीन-आसमान का फर्क है। आल इंडिया रेडियो कुछ कहता है और दूरदर्शन कुछ कहता है .... (व्यवधान)

उपसभापति : एक मिनट आप बैठ जाइये। कल होम मिनिस्टर साहब जब रिप्लाई कर रहे थे तो उन्होंने फतेहपुर के सिलसिले में बयान दिया है। आप आज की प्रोसीडिंग देख लीजिए।

The Home Minister mentioned about Fatehpur. He said that the Government is making an enquiry and that the culprits will be punished. This is what I remember.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैंने पढ ली है। मैं यह कहना चाहता हूं कि गंगानगर राजस्थान में एक लैंडलार्ड ने एक कुम्हार स्त्री की बेइज्जती की उसके कारण शर्म से उस महिला ने आत्म-हत्या कर ली और साथ में अपने दो बच्चों को भी जहर खिलाकर मार दिया। यह शर्मनाक घटना श्रीगंगानगर, राजस्थान में हुई। जमींदारों ने इस तरह के अत्याचार करने शुरु कर दिए हैं। इन पर अंकुश लगाने की जरुरत है। राजस्थान की इस घटना के बारे में सरकार को बयान देना चाहिए।

उपसभापति : आपने यह महिलाओं पर अत्याचार का मामला उठाया है। चेयरमेन साहब के सामने बात हुई थी। हाउस में हरिजनों पर एट्रोसिटीज पर डिसकशन हुआ है। आप सब लोगों ने उसमें भाग लिया है। अगर आप समझते हैं कि इस तरह से हरिजन महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है, पता नहीं कि वह महिला हरिजन थी या नहीं, आपने कुछ नहीं बताया है, कल इस बारे में जिक्र हुआ था। मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, वे इसकी जांच पड़ताल करेंगे। अगर आप समझते हैं कि महिलाओं का मामला है तो चेयरमेन साहब से टाइम नियत करना पड़ेगा, सभी तभी कोई मीनिंगफुल डिसकशन हो सकता है। अब मुझे स्पेशल मेंशन बुलाने दीजिए क्योंकि हमारे पास एक घंटा है।

डा. अबरार अहमद खान (राजस्थान): महोदया, निजामुद्दीन में 6 फरवरी को पुलिस ने महिलाओं को पेशाब पिलाया है। इस बारे में अब जो गृह राज्य मंत्री श्री सुबोध कान्त हैं जब वे मंत्री नहीं थे तो उन्होंने श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद को पत्र लिखा था। उसमें उन्होंने जो लिखा था वह मैं आपको बताना चाहता हूं। उन्होंने लिखा था कि 6 फरवरी, 1990 को निजामुद्दीन थाने के पुलिस कर्मियों ने 9 मुस्लिम महिलाओं को जबरदस्ती पेशाब पिलाने जैसे घृणित काम किया है। इस संदर्भ में अखबारों में खबरें भी छपी हैं। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है बल्कि असत्य केसेज बनाकर सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने लिखा है कि मेरा आप से अनुरोध है कि इस मामले की जांच की जाए और पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। यह पत्र केन्द्रीय सरकार के गृह राज्य मंत्री ने तब लिखा था जब वे मंत्री नहीं थे। श्री सुबोध कान्त ने श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद को यह पत्र लिखा था। अब वे खुद गृह राज्य मंत्री हैं, लेकिन तब भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। महिलाओं को पेशाब पिलाने जैसा घृणित काय हुआ है। चाहे मुस्लिम महिला हो या हिन्दू महिला हो, जो लोग इस प्रकार का अपराध करते हैं उनको सजा मिलनी चाहिए। लेकिन आज उनको सजा नहीं दी गई है। श्री सुबोध कान्त ने यह पत्र लिखा जो आज खुद गृह राज्य मंत्री हैं। इससे बड़ा घृणित अपराध दूसरा नहीं हो सकता है। इस गूंगी और बहरी सरकार को महिलाओं पर इन अत्याचारों को करने वालों के खिलाफ सख्त कायवाही करनी चाहिए और मेरा आप से अनुरोध है कि आप इस गूंगी और बहरी सरकार को निदेश दें कि वह तुरन्त इस बारे में तत्काल कायवाही करे।

उपसभापति : आपने कहा है कि खुद गृह राज्य मंत्री जी ने जब वे मंत्री नहीं थे पत्र लिखा था तो जब वे यहां आएंगे तो आप उन से पूछ सकते हैं। आपने कहा है कि मामला गम्भीर है और इस पर ध्यान देना चाहिए। मामला गम्भीर है, हाउस का और लीडरों का ध्यान आपने दिलाया है। मंत्री जी यहाँ पर बैठे हुए हैं। उन्होंने कल जबाव भी दिया था, हरिजनों के बारे में जबाव दिया था। वे अगर जवाब देना चाहते हैं तो मैं उनको एलाऊ करती हूं। वे इस बात को अपने लीडरों तक और गृह मंत्री तक पहुंचाएंगे और उनके जुनियर को भी बताएंगे। अब आप उनको बोलने दीजिए।

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : उपसभापति महोदया, कोई भी घटना चाहे वह महिलाओं के खिलाफ हो या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के ऊपर जुल्म या अत्याचार का मामला हो तो यह बड़ा गम्भीर मामला है और मैं माननीय सदस्य की चिन्ता को समझता हूं। मैं इसको किसी दल का मामला भी नहीं समझता हूं। कल आप यहां पर नहीं थे। मैंने श्री अहलुवालिया का नाम लेकर बताया था। निश्चित रूप से जिस घटना के संबंध में हमारे सदस्य चिंता जाहिर कर रहे हैं, हम उसको देखेंगे। फतेहपुर के संबंध में आपने कहा था। मैंने कल बतलाया था कि घटना घट जाना किसी के बलबूते के अंदर की चीज नहीं है यह आंकड़ों के द्वारा मैंने कल साबित किया था। बिहार से श्री रफीक आलम साहब आते हैं। आप कोई भी फिगर उठा कर देखिए, जो गरीब लोगों पर जुल्म और अत्याचार होते हैं, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लोगों के ऊपर अत्याचार होते हैं और वे फिगर्स इन संख्याओं से भरी पड़ी है। मैंने कल कहा था कि फतेहपुर में जो घटना घटी है, उसमें सरकार ने प्राम्प्ट ऐक्शन लिया है और 15-20 दिन के अंदर ही चार्ज शीट सब्मिट करके 307 के मुकदमे को ...(व्यवधान)...

उपसभापति महोदया, सिर्फ एक तरफ की बात सुनी जाय, ऐसा नहीं चल सकता है। ....(व्यवधान).... जब अलीगेशन लगाते है तो सरकार का जवाब भी सुनें ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister is on his legs. He is listening आप बैठ जाइए Please take your seat... I am not allowing you. I am not permitting you to speak... This will not go on record till I permit you....Please take your seats. The Minister is replying. You please listen to him...

श्री राम विलास पासवान : महोदया, मै यह कह रहा था कि सरकार की प्राम्टनेस ...(व्यवधान)... आप अलीगेशन लगायेंगे और सरकार का जबाव नहीं सुनेंगे? उपसभापति जी, आप अलीगेशन को रिकार्ड पर लायेंगी और सरकार का जबाव नहीं सुनेंगी? ...(व्यवधान) मैं जो चीज कह रहा हूं वह रिकार्ड के आधार पर कह रहा हूं। उत्तर प्रदेश सरकार ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just listen .. Just a minute..Please take your seats. You brought a serious matter before the House and before the Government. If the Minister is saying something you listen to him. If you are not satisfied you have other devices also. You can write to the Chairman that his reply is not... Just a minute. If he is replying and you are not satisfied with his reply or if you feel that he is not telling the truth, you can raise the issue of privilege. There are many other devices. But you have to listen what he says just as he has to listen what you say. Let him say what he wants to say.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

विपक्ष के नेता (श्री पी. शिवशंकर) : सुनिए, उनको बोलने दीजिए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मंत्री जी क्या कहना चाहते हैं यह हम भी सुनना

[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

चाहते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि ये राजघाट से कुछ सीखकर नहीं आये। .. (व्यवधान) ....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I request you, please sit down. Please take your seats... No, no, please take your seats. Let the Minister give his reply. Then you can have your say... Please take your seats. I request you. The House has a right to hear what Government has to say, just as you have a right to put your objections or your agony. *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): But why should Mr. Vajpayee have brought Raj Ghat into it? *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats.

SHRI P. SHIV SHANKER: Madam, I would like to make one submission. I regret that a senior Member like Mr. Vajpayee should make a sweeping remark of this nature for all the Members.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Not all.

SHRI P. SHIV SHANKER: It should not have come in the form in which he has put it. Therefore it should be expunged. That is an aspersion on all the people.

श्री राम विलास पासवान : उपसभापति महोदया.. (व्यवधान)...

मैं कह रहा था कि... (व्यवधान)..

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया, मैं संशोधन करने के लिये तैयार हूं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी के कुछ मेंबर राजघाट से कुछ सीखकर नहीं आये।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I want to know why the Prime Minister did not visit that village yesterday. Was there anything wrong that he could not go? And why is the State Government not setting up special courts for atrocities on the Scheduled Castes and Scheduled Tribes?

श्री राम विलास पासवान : उपसभापति महोदया, दलितों के ऊपर घटना चाहे फतेहपुर में घटे या हिन्दुस्तान के किसी भी कोने में घटे उसको गम्भीरता से लेना चाहिए। हमें लगता है कि माननीय सदस्य फतेहपुर का नाम लेकर सिर्फ राजनैतिक लाभ उठाना चाहते हैं। इनको दूसरी जगहों की चिन्ता नहीं है (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : इससे बड़ी शर्मनाक घटना कहीं नहीं घटी (व्यवधान)

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : अत्याचार किया जाए और उसका समर्थन सरकार करे, यह बात हमने नहीं सीखी है। हम लोग अत्याचारों का विरोध करने के लिए वहां गये थे (व्यवधान)

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : वह तो आरोप लगा रहे हैं (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : माननीय सदस्यों को पूरे देश की चिन्ता होनी चाहिए। रिकार्ड के मुताबिक मैं कह सकता हूं कि फतेहपुर की घटना में जितना प्राम्प्ट ऐक्शन लिया गया है जितनी जल्दी मुआवजे की व्यवस्था की गई है आज तक कहीं भी किसी भी घटना में इतना प्राम्प्ट ऐक्शन नहीं लिया गया है (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : क्या कहना चाहते हो, इनकी पार्टी का आफिस वहां खोला गया (व्यवधान)

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Point of order... *(Interruptions)*.. I have a point of order. Madam, as you are aware, in this House we have permitted that even without notice any issue can be raised during, what we call, the Zero Hour. Now, we are also aware that when an issue is raised, the Government or any Minister on behalf of the Government need not reply. Whoever is present on behalf of the Government will convey the sentiments of the House to the Government and Government might or might not give a reply immediately.

Now we are lucky, this House is lucky and it is fortunate that Mr. Ram Vilas Paswan, who is the Minister for Welfare, is here.... (*Interruptions*).. Just a moment... (*Interruptions*).

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): How can you say like that? ...(*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is telling me, he is addressing the Chair. ...(*Interruptions*)... Just a minute... (*Interruptions*)... I have allowed his point of order. Please sit down. At least, have some manners to sit down when somebody is on a point of order. ...(*Interruptions*)... I cannot allow two people at the same time. You should at least follow certain rules, norms and traditions. He is on a point of order. Let me deal with him. If you want to deal with him, it is okay, you deal with him, but let the Chair take some part.

SHRI BHUBANESWAR KALITA: What is the rule, what is the point? ...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let *him finish.*

SHRI YASHWANT SINHA: Madam, a very basic tenet of democracy, I think, is patience, and in this House if we do not show regard for the other point of view, then it will become impossible to carry on the business of the House. I am merely saying... ...(*Interruptions*)... I am merely saying... (*Interruptions*)... Mr. Sahu does not have the voice that Mr. Ahluwalia has. and so I suggest that he need not get agitated. I am merely saying that Mr. Ram Vilas Paswan is here and that he immediately and promotly got up to give a reply on behalf of the Government. This is the only point I am making. Now, my point of order is this: There have been certain points made from one side and Mr. Ram Vilas Paswan, on behalf of the Government, said something. Now, are we going to convert this into a full-fledged discussion? That is the point I am making. If we are not doing that, then that is the end of the matter here and now..

...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Right from the beginning I have been saying that I have a listed business. The points which you have raised have been heard by the Government. The Minister replied and said whatever he wanted to say. Still if you are not satisfied, there are many other devices. Let us go ahead with the business listed over here and you can raise it in another forum. If you you can have a full-fledged discussion. You can ask the Chairman and, if he gives the time, I would be one with you to discuss in this House the atrocities on women to help the Government and meet the satisfaction of the Members so that some action is taken on it. Now, Shri Shiv Shanker.

श्री पी० शिवशंकर : महोदया, हम आभारी हैं मंत्री जी के कथन के लिए कि वे बहुत प्राम्ट एक्शन लेना चाहते हैं। अबरार अहमद साहब ने उक्त कथन का वर्णन किया है और यह भी कहा है कि जिन सदस्य ने उस वक्त के गृह मंत्री को लिखा था वे खुद अब राज्य मंत्री हो गये हैं और उनके राज्य मंत्री हुए भी एक महीने से ज्यादा का समय हो चुका है और अब तक, इतना गम्भीर मामला है, पुलिस के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। यह उनका आवेदन था। मैं यह समझ रहा था कि मंत्री जी उसका जबाव देने के लिए खड़े हैं। लेकिन मंत्री जी ने उस बात का जबाब नहीं दिया है। ...(**व्यवधान**) निवेदन है कि कम से कम स्टेटमेंट किया जाये क्योंकि बड़ी गम्भीर समस्या उन्होंने आपके सामने रखी है। इसका या तो स्टेटमेंट कीजिए और इस तरह का जो व्यवहार हुआ है, खुद ऐसे सदस्य बड़े जिम्मेदार सदस्य ने जो अब मंत्री बन गये हैं उन्होंने उठाया था। इस वास्ते आवश्यकता इस बात की है कि आप मेहरबानी फरमाकर या तो स्टेटमेंट कीजिए या फिर हमें साफ बताएये कि क्या एक्शन आपने लिया है या नहीं लिया है। आप जन ल बात बोलकर बात को खत्म नहीं कर सकते हैं। इतना ही मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, एक मिनट का समय दे दें बड़ी कृपा होगी। बहुत ही महत्वपूर्ण और सनसनीखेज समाचार है । यह समाचार "जन संदेश" जो है इसमें छपा है। पूरी दिल्ली में और दिल्ली देहात में लोगों के पास जमीनें नहीं हैं, मकान नहीं है और दिल्ली देहात की जमीनें पिछली सरकार ने जबरदस्ती अधिगृहीत कर ली थीं . . . (व्यवधान)

श्री पी० शिवशंकर : जरूर बोलें, लेकिन यह मसला तो खत्म हो जाये। हम नहीं रोकेंगे आपको . . . (व्यवधान)

उपसभापति : ईश दत्त यादव जी, जो मसला अभी हाउस के सामने है, आपका सवाल उस से संबंधित है या उससे अलहिदा है।

श्री ईश दत्त यादव : उससे संबंधित नहीं है।

उपसभापति : उससे संबंधित नहीं है . . . (व्यवधान) एक मिनट मैं आपको एलाउ कर दूंगी I am not objecting to it. अभी यहां हमारे हाउस के लीडर आफ द आपोजीशन ने एक बात सरकार के सामने रखी है, अगर गुरुपदस्वामी जी इस चीज को सरकार को पहुंचाये और जो भी सरकार जबाव देगी अगर हाउस में कोई भी स्टेटमेंट होगा, जो कुछ भी होगा We will allow it. If you want to say something, it is up to you.

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान): यह दुखद बात है कि स्टेटमेंट देने को तैयार नहीं है।

SHRI SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): We want an assurance from the Leader of the House that a statement would come from the Government. Please give instructions, Madam. At least this assurance should come from the Leader of the House that a statement will be made by the Government.

श्री माखन लाल फोतेदार (उत्तर प्रदेश) : मोहतरमा, श्री राम विलास पासवान जी खुद* मंत्री हैं, हम इनकी इज्जत करते हैं. . .

श्री राम विलास पासवान : मैं एक बात कहना चाहता हूं कि इस सदन में बार बार कहा गया है कि* शब्द असंसदीय है। जो भी सदस्य बोलें अनुसूचित जाति बोलें, अनुसूचित जनजाति बोलें, दलित बोलें लेकिन* शब्द का इस्तेमाल न करें।

श्री माखन लाल फोतेदार : आप देश के मंत्री हैं।

उपसभापति : वह रिकार्ड में नहीं जायेगा। आपकी फीलिंग का हम लोगों को ख्याल है।

श्री माखन लाल फोतेदार : हम रामविलास पासवान जी की इज्जत करते है, बहुत अच्छे मंत्री हैं और इनको दर्द भी है हरिजनों के लिए पिछड़ी जातियों के लिए लेकिन सवाल हमारे अहलुवालिया जी ने और मिसेज जयन्ती नटराजन ने उठाया तथा राम विलास पासवान जी ने एक आरोप लगाया कि शायद फतेहपुर में जो हरिजनों पर अत्याचार हुए शायद हम इसका कोई राजनीतिक फायदा उठाना चाहते हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : शायद नहीं पक्का।

श्री माखन लाल फोतेदार : मैं रामविलास पासवान जी से नम्रता से प्रार्थना करना चाहता हूं कि हम ऐसा फायदा नहीं उठाना चाहते हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : चलिए मान लेते हैं।

श्री माखन लाल फोतेदार : लेकिन हकीकत यह है . . . (व्यवधान) कि जब से आज के प्रधान मंत्री ने चार्ज लिया है सारे उत्तर प्रदेश में सामंतवादियों की तरफ से हरिजनों पर अत्याचार चलने शुरु हो गये हैं।

*Not recorded.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : गलत है।

श्री माखन लाल फोतेदार : मेरी बात तो सुनिये। मैं किसी पर चार्ज नहीं लगा रहा हूं, लेकिन दानिस्ता तौर और नादानिस्ता तौर सब सामंतवादी शक्तियां हरिजनों पर अत्याचार करने के लिए खड़ी हो गई हैं। मेरी बात तो सुनिए।

सब से ज्यादा जो अत्याचार हो रहा है . . . (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): I am on a point of order urgently. Madam the hon. Member Mr. Fotedar was not only alluding to the specific incident, but was in fact indulging in sermonising and also in sweeping allegations.

SHRI SYED SIBTEY RAZI: You are doing the same thing

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, I am not.

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Madam, he was on a point of order. There is no point of order.

SHRI VISHVJIT P SINGH (Maharashtra): He was not on a point of order. He was on a point of submission, because the sweeping statement was made by the Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What are you speaking on? I have not permitted you. If you are asking for a point of order, then wait for the Member to finish his words.

SHRI MAHENDRA PRASAD (Bihar): Under what rule is he making his point of order, Madam?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Let him speak

SHRI MAHENDRA PRASAD: But my point is, under what rule is he speaking?

THE DEPUTY CHAIRMAN Please don't teach the Chair rules. If you don't know the rules, please sit down.

SHRI MAHENDRA PARASAD: No. I will not.

THE DEPUTY CHAIRMAN: My personal advice to you is, please sit down.

SHRI MAHENDRA PRASAD: Under what rule are you allowing him?

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cool down and take your seat.

इतने नाराज मत होइये। आप बहुत दिनों में कभी-कभी हाउस में आते हैं। मडनली गुस्सा मत करिए। बैठ जाइये।

SHRI S. JAIPAL REDDY: During the zero hour attention can be drawn to a specific incident, but that incident cannot be utilised for indulging in sweeping formulations for making allegations. Mr. Fotedar was exactly guilty of this. Therefore, this should be expunged from the records.

SHRI M. M. JACOB (Kerala): No. Madam, I am on a point of order. This House has rule 238—Rules to be observed while speaking. Mr. Fotedar has not violated any of the rules by speaking. So, there is no justification in contradicting Mr. Fotedar's statement by Mr. Reddy, because there is no rule prohibiting it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us not discuss the rules. Let us not discuss who is right and who is wrong. He should now decide that if a Ghatna has taken place anywhere.

कोई भी ऐसा वाक्या हुआ है, जिससे सब को दुख है, तो सरकार ने सुना है, वह जवाब देगी। अब मुझे स्पेशल मेंशन लेने दीजिए।

Let us discuss this matter now. (*Interruptions*)

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: Madam, let me complete in one sentence. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I very humbly request all the Members— Mr. Fotedar, you also—to please un-

[The Deputy Chairman]

derstand that the Government has heard it and let it come forward with a statement or in any form to the House.

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: Let me complete the sentence. Now, what we would like to urge upon the Government is to come out with a full statement about the atrocities on Harijans in the Parliamentary constituency of the Prime Minister called Fetehpur.

श्री राम विलास पासवान : जब एट्रसिटीज पर बहस होती है, तो वाक-आउट कर जाते हैं। कल जब रेप्लाई दिया गया था, आप क्यों नहीं थे? कल एट्रसिटीज के ऊपर इतना कहा गया ... (व्यवधान)

श्री माखन लाल फोतेदार : आपकी एट्रसिटीज के खिलाफ हम कल वहां थे। ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now this matter is over. Mr. Abrar Ahmed, you had your say. Mr. Shiv Shanker has also expressed his opinion on it. Regarding atrocities on women whether they belong to Harijan community or any other community, the Government will come forward to make a statement whenever they want. If you want a discussion we can have it after the Chairman permits it. Now, please allow me to proceed with the normal business... (*Interruptions*) Please sit down. Please listen to the request of the Chair. Now we are having only half-an-hour for Special Mentions. If you interrupt like this, I am going to cut out names from the Special Mentions list. Later on nobody should raise an objection...(*Interruptions*)...

श्रीमती सत्या बहिन : इन्होंने क्या जबाव दिया। ... (व्यवधान) इन्होंने क्या एक्शन लिया? ... (व्यवधान)

डा० अबरार अहमद खान : इतने अत्याचार की यहां चर्चा की गई, अत्याचार की बात की गई, इस सदन के नेता यह आश्वासन देने को भी तैयार नहीं हैं कि इसकी जांच होगी। ... (व्यवधान) गवर्नमेंट इसके लिए भी तैयार नहीं है कि इसकी जांच होगी। ... (व्यवधान)

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन में अध्ययन सहित सनसनीखेज और बहुत महत्वपूर्ण विषय को रखना चाहता हूं। ... (व्यवधान)

डा० अबरार अहमद खान : क्या गवर्नमेंट यह भी एश्योरेंस देने को तैयार नहीं है कि उस पर कोई कार्यवाही करेंगे? ... (व्यवधान) गवर्नमेंट नाम की कोई चीज ही नहीं है। ... (व्यवधान)

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, यह लोग जरा बैठ जाएं ... (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया : अल्पसंख्यक लो कास्ट की महिलाओं के साथ ... (व्यवधान) उन्हें पेशाब पिलाया गया ... (व्यवधान) और सरकार मौन बैठी है। ... (व्यवधान)

उपसभापति : अबरार अहमद जी, प्लीज, आप बैठ जाइये। आपने यह मसला उठाया। सरकार ने सुना, मैंने भी सुना और सब ने सुना इसलिए अब आप बैठ जाइये। अब ईशदत्त जी आप बोलिए ... (व्यवधान)

Mr. Abrar Ahmed, please sit down. I say, take your seat. I have given my ruling on this.

श्रीमती सत्या बहिन : मैडम, गवर्नमेंट ने क्या ... (व्यवधान)

उपसभापति : आप भी सदन की कुछ गरिमा का ध्यान रखें।

When I am talking, you are continuing to talk. Please take your seat. ...(*Interruptions*). Mr. Ahluwalia, can you hear me or you cannot hear me? ...(*Interruptions*)... Please sit down. This is how you behave in the House.

मैंने कहा, जब अबरार अहमद ने बात उठाई और राज्य मंत्री के लैटर के बारे में कहा है, मैंने सरकार के सामने यह बात रखी। सरकार उसकी पुष्टि कर के आपके सामने जवाब देगी। यह मैटर अब बंद हो गया है, इसलिए अब आगे जाना है। . . . (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : यह बहुत गंभीर मामला है। . . . (व्यवधान)

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, अब मैं क्या बोलूं ? मैं तो बोलना चाहता हूं और यह लोग बोलने नहीं देते हैं। . . . (व्यवधान)

SHRI P. SHIV SHANKER: Let us now close the discussion on this issue. We have brought this to the notice of the Government. The Leader of the House is also here. I am sure they will make a statement. If they do not make a statement Madam, then, you should allow a separate discussion on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the Chairman permits a discussion on any subject, I will not object to it... (*Interruptions*)... What kind of impatient people you are? Mr. Abrar Ahmed, you try to use your influence or whatever charm you have on the lady Member. You cannot add more than what your leader has said. (*Interruption*). Just a minute please. Please keep quit. Let me be heard by everybody— you and the Government— that if the Government comes forward, fine, we will have a discussion. If the Chairman permits any discussion, I would be too happy to sit over here and hear both the sides and the front also.

अटल जी कहेंगे, मेरी बात नहीं कही।

I would allow everybody to speak on it. But let us now go ahead with the business. If some names are left on the Special Mentions, don't blame me for that. (*Interruptions*)

No please sit down.

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : मैडम, इस लोकतंत्र विरोधी सरकार के इशारे पर . . . बिजली . . . मैडम इस सदन में भर्त्सना की जानी चाहिए . . . जब विपक्ष के नेता राजीव गांधी राजघाट पर . . . (व्यवधान) . . . इस की भर्त्सना की जानी चाहिए।

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया : शर्म नहीं है . . . (व्यवधान) . . . स्वीकार करो कि बिजली नहीं है . . .

एक माननीय सदस्य : पिछले 40 सालों में आप ने क्या-क्या किया है देश में . . . (व्यवधान) . . . 40 साल में शर्म-शर्म बोल रहे थे . . . (व्यवधान) . . .

श्री ईश दत्त यादव : अहलुवालिया जी, मेहरबानी कीजिए।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam. for them, yesterday was a day of fasting politics. Today is a day of politicking for them. (*Interruptions*)

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, मैं क्या बोलूं, ये लोग बोलने तो दें। हम इनसे ज्यादा शोर मचा सकते हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि संसदीय परम्परा और संसदीय मर्यादा कायम रहे। ये कांग्रेस के लोग जो सत्ताच्युत हो गए हैं, इस सदन को चलने नहीं देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि संसदीय परम्परा और संसदीय मर्यादा कायम रखी जाए और आप सब लोग इस में सहयोग करें। लेकिन आप लोग एक ही प्रश्न को बार-बार उठा रहे हैं।

RE: IRREGULAR LAND DEALS IN DELHI

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं अत्यंत ही महत्वपूर्ण विषय सदन के सामने रखना चाहता हूं। मैं निवेदन कर रहा था कि दिल्ली और दिल्ली के देहात में 84 से 86 तक गरीब किसानों की जमीनों को पिछली सरकार ने नाजायज कामों के लिए अधिगृहीत किया था। इस बारे में एक सनसनीखेज समाचार "जन